~~B.A (III)~~ MJC-2
Paper ~~IV~~
Social Psychology

~~Attitude~~ — Meaning of attitude and their characteristics

मनोवृत्ति का अर्थ एवं विशेषताएं

मनोवृत्ति समाज में एक प्रचलित शब्द है जिसका व्यवहार व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में करते रहते हैं। समाज के विभिन्न परिस्थितियों, वस्तुओं, व्यक्तियों या समूहों के प्रति हम अपने विचार या अनुभव की मानसिक प्रतिछाया को प्रकट करते रहते हैं यही मानसिक प्रतिछाया को मनोवृत्ति कहते हैं। उदाहरण के लिए जब हम किसी व्यक्ति से समाज में प्रचलित विधवा विवाह के प्रति उसका विचार जानना चाहते हैं और वह इस विषय पर अपना विचार प्रकट करता है तो वही विचार उसकी मानसिक छवि को दर्शाता है जिसे मनोवृत्ति कहते हैं। अतः मनोवृत्ति किसी व्यक्ति की वह मानसिक छवि है जिसे व्यक्ति किसी वस्तु, परिस्थिति या समूह के प्रति अपने अनुकूल या प्रतिकूल अनुभवों, विचारों या दृष्टिकोणों को व्यक्त करता है। अतः मनोवृत्ति व्यक्ति के उस मानसिक दशा को कहते हैं जो उसके भावनाओं को व्यक्त करता है। मनोवृत्ति के सम्बन्ध में कई मनोवैज्ञानिकों द्वारा अलग-अलग अपने अपने विचारों द्वारा परिभाषित किया गया है।

ऑलपोर्ट - मनोवृति को किसी व्यक्ति की मानसिक एवं स्नायविक तत्परता की स्थिति बताया है जो अनुभूति द्वारा निर्धारित होता है तथा जो उन सभी वस्तुओं या परिस्थितियों के प्रति प्रेरित या निर्देशित करती है जिनके प्रति वह मनोवृति संबंधित रहती है

अकोलकर (Akolkar) द्वारा मनोवृति किसी व्यक्ति तथा वस्तु के प्रति विशेष ढंग से सोचने विचारने, अनुभव या महसूस करने तथा क्रिया करने की तत्परता की अवस्था है

क्रेच एवं क्रचफील्ड (Krech and Crutchfield) मनोवृति किसी व्यक्ति की प्रेरणात्मक, संवेगात्मक, प्रत्यक्षात्मक एवं संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का संगठन है

गरगेन (Jergen) - किसी व्यक्ति का किसी विशिष्ट वस्तुओं के प्रति विशिष्ट ढंग से व्यवहार करने की प्रवृति या झुकाव को मनोवृति कहा जाता है

उपरोक्त परिभाषाओं के तथ्यों के आधार पर ~~सकते~~ मनोवृति को प्रेरणात्मक, संवेगात्मक, प्रत्यक्षात्मक एवं संज्ञानात्मक का संगठन कहा जा सकता है जो किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति के प्रति व्यक्ति के व्यवहार को निर्देशित करता है

मनोवृत्ति की विशेषताएं (Characteristics of attitude) –

(1) मनोवृत्ति का संबंध प्रतिमानों, विचारों या बाह्य वस्तुओं के ज्ञान रहना जो अंतरजातीय विवाह के संबंध में किसी की प्रतिकूल मनोवृत्ति को लें। इस सामाजिक विषय के प्रति किसी के प्रतिकूल मनोवृत्ति में अंतरजातीय विवाह के लाभ-हानि से संबंधित विचार एवं इस प्रकार विवाह को वास्तविक या काल्पनिक प्रतिमाएं शामिल रहती हैं।

(2) विशिष्ट दिशा का होना (Specific direction) मनोवृत्ति व्यक्ति के व्यवहार को एक विशिष्ट दिशा की ओर ले जाता है अनुकूल मनोवृत्ति रखने पर, व्यक्ति उस वस्तु, परिस्थिति या समाज को पसंद करता है यह व्यक्ति का पसंद प्रेरणात्मक कारक के रूप में कार्य करती है और व्यक्ति स्वयं उसे हासिल करने हेतु प्रयत्नशील रहता है।

(3) मनोवृत्तियाँ जन्मजात नहीं होती है (Attitudes are not inborn) – किसी व्यक्ति का मनोवृत्ति जन्मजात नहीं होता है इसके निर्माण में व्यक्ति का अनुभव, संज्ञानात्मक विकास, अनुकरण का योगदान होता है।

(4) मनोवृत्ति स्थायी होता है (Attitudes are permanent - मनोवृत्ति स्थायी होता है मनोवृत्ति में परिवर्तन होना कठिन है परन्तु विशेष परिस्थिति में मनोवृत्ति में परिवर्तन संभव है।

(5) मनोवृत्ति में ~~प्रेरणात्मक, संवेगात्मक एवं ज्ञानात्मक~~ ज्ञानात्मक, प्रत्यक्षात्मक का संगठन पाया।